DSB INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL

GANDHI JAYANTHI CELEBRATIONS

BEST FIVE ENTRIES FROM DSB INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL FOR THE GANDHI JAYANTHI CELEBRATION

Learning is the product of the activity of learners

"Children are Naturally creative it is our job to give them the freedom materials and space to let their creativity blossom to its full potential. Mahatma Gandhi or more lovingly known as Bapu by all Indians is internationally acknowledge for his doctrine of non-violence that led to India to it's glorious freedom.

The activities aim at encouraging the use of English and Hindi language as well as it helps to bring about the creativity and challenging the students to utilize their skills. The activity was divided in to four Category as per following.

Category A (1 to 3)

Thought Writing Activity

S.No.	Student Name	Class
1.	Akshaj Bhatt	I – Daisy
2.	Akshit Negi	I - Marigold
3.	Aditi	III – G
4.	Nimit Rana	III - G
5.	Shourya Bhatt	II- Iris

Category B (4 to 5)

Poster Making Activity

S.No.	Student Name	Class
1.	Taksha Negi	V- B
2.	Shruti Sharma	IV - B
3.	Raghav Aggarwal	IV - F
4.	Aniket Awasthi	V - B
5.	Om Arora	V - B

Category C (6 to 8)

निबंध लेखन प्रतियोगिता

S.No.	Student Name	Class
1.	Dev Chaudhary	VI - E
2.	Kritika Negi	VI - E
3.	Bhavi Goyal	VII - E
4.	Sneha Rawat	VII - E
5.	Jagriti Bhandari	VI - E

Category D (9 to 11)

Essay Writing Competition

S.No.	Student Name	Class
1.	Nishchay Breja	XI -A
2.	Niharika Bisht	XI - A
3.	Ashlee Agarwal	XI - A
4.	RASHI Arora	X - D
5.	Ayshmaan Uniyal	X - D

Name of the School : DSB INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL
Name of the Event Coordinator: ANKITA ARORA
Contact No.: 8860467383
School Email ID: dsbrksh@gmail.com

Regards
Shiv Sehgal

(Principal)

Category- A (1 TO 5) THOUGHT WRITING ACTIVITY

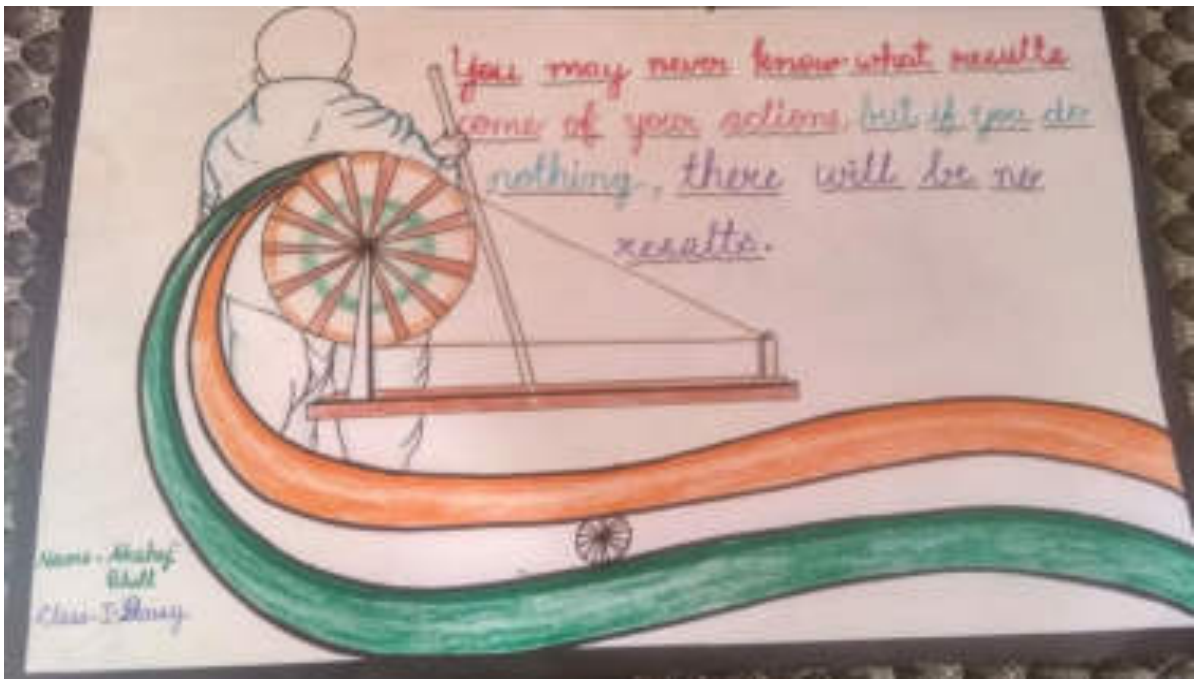

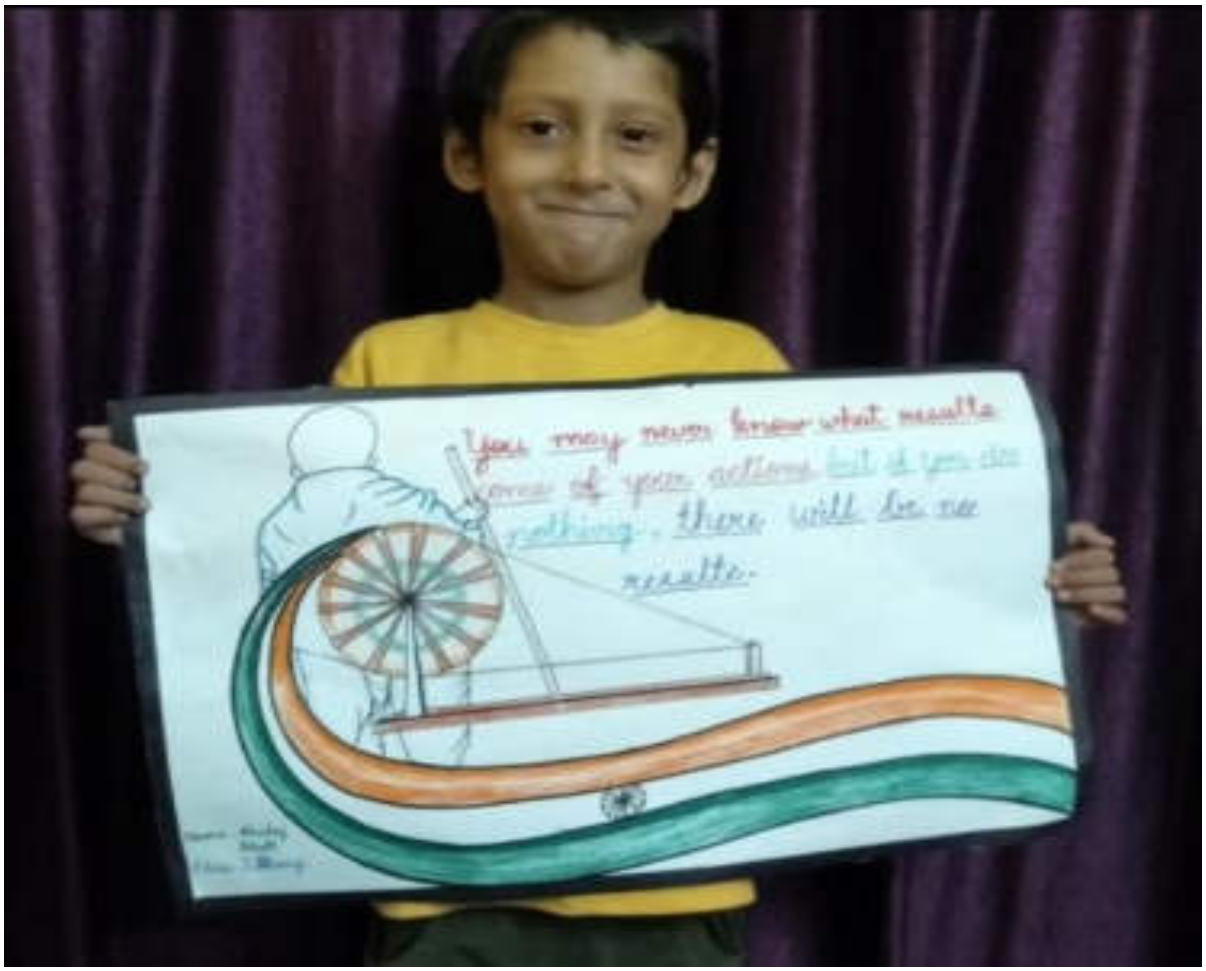

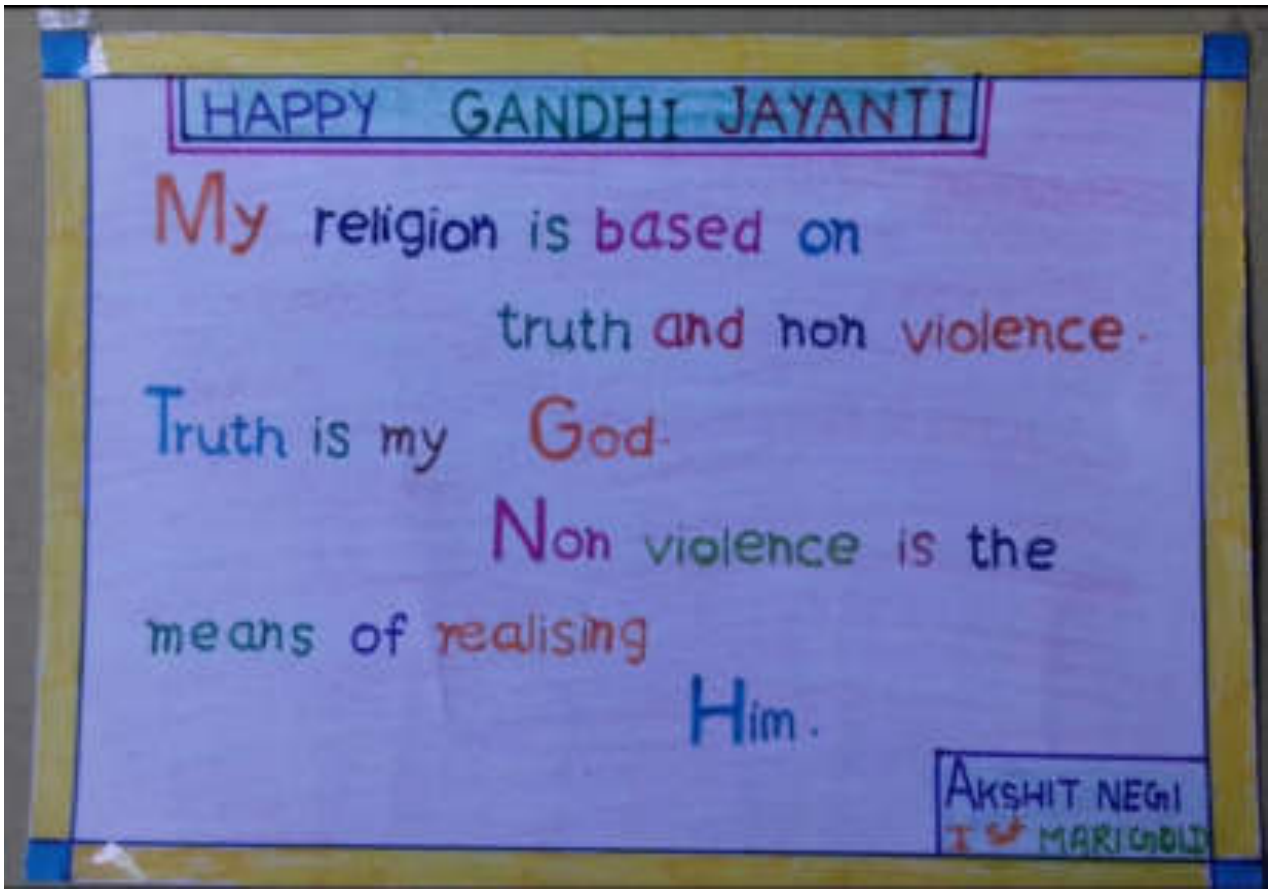
HAPPY GANDHI JAYANTI
My religion is based on
truth and non violence.
Truth is my God.
Non violence is the
means of realising
Him.
AKSHIT NEGI
I ♥ MARIGOLD

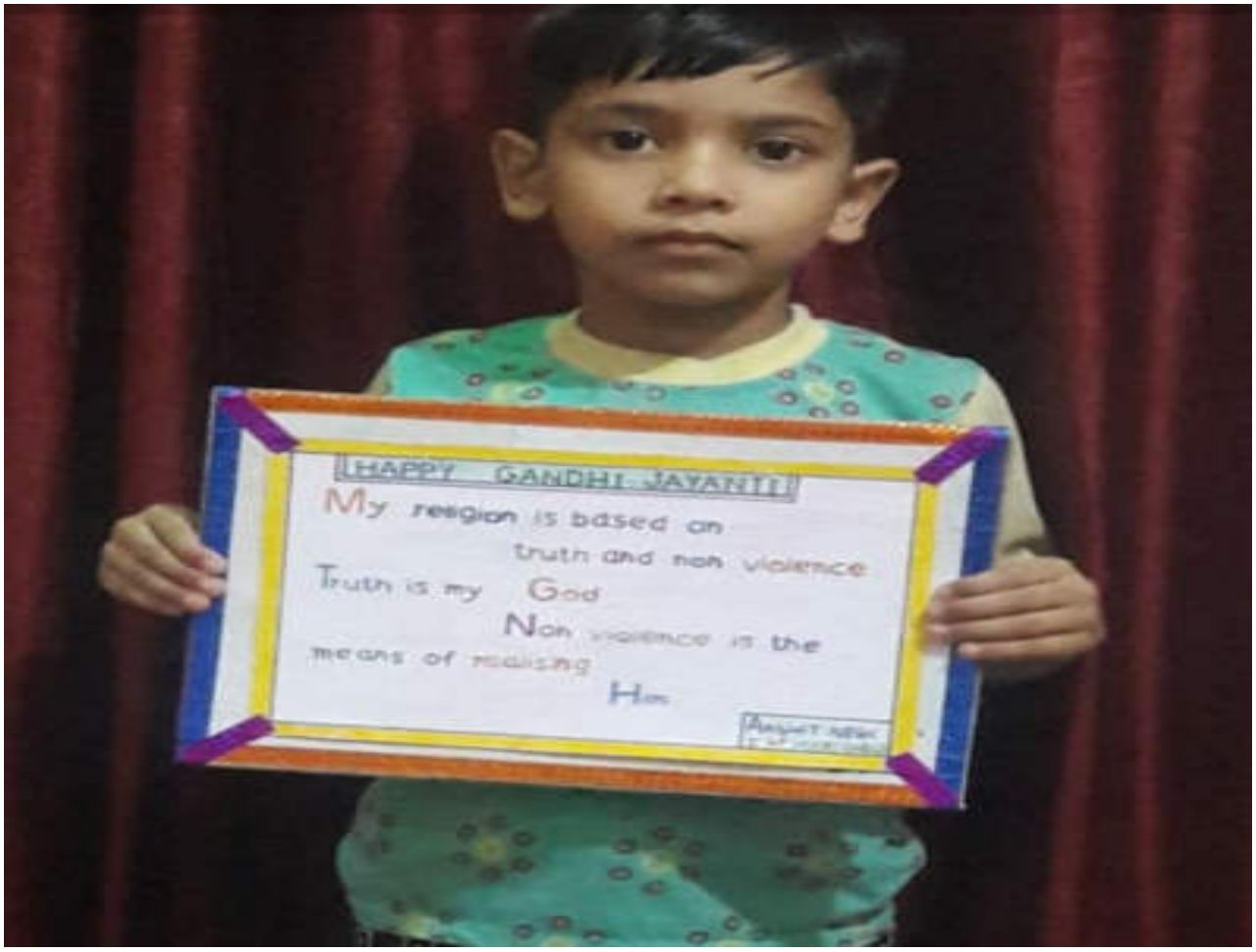
HAPPY GANDHI JAYANTI
My religion is based on
truth and non violence
Truth is my God
Non violence is the
means of realising
Him

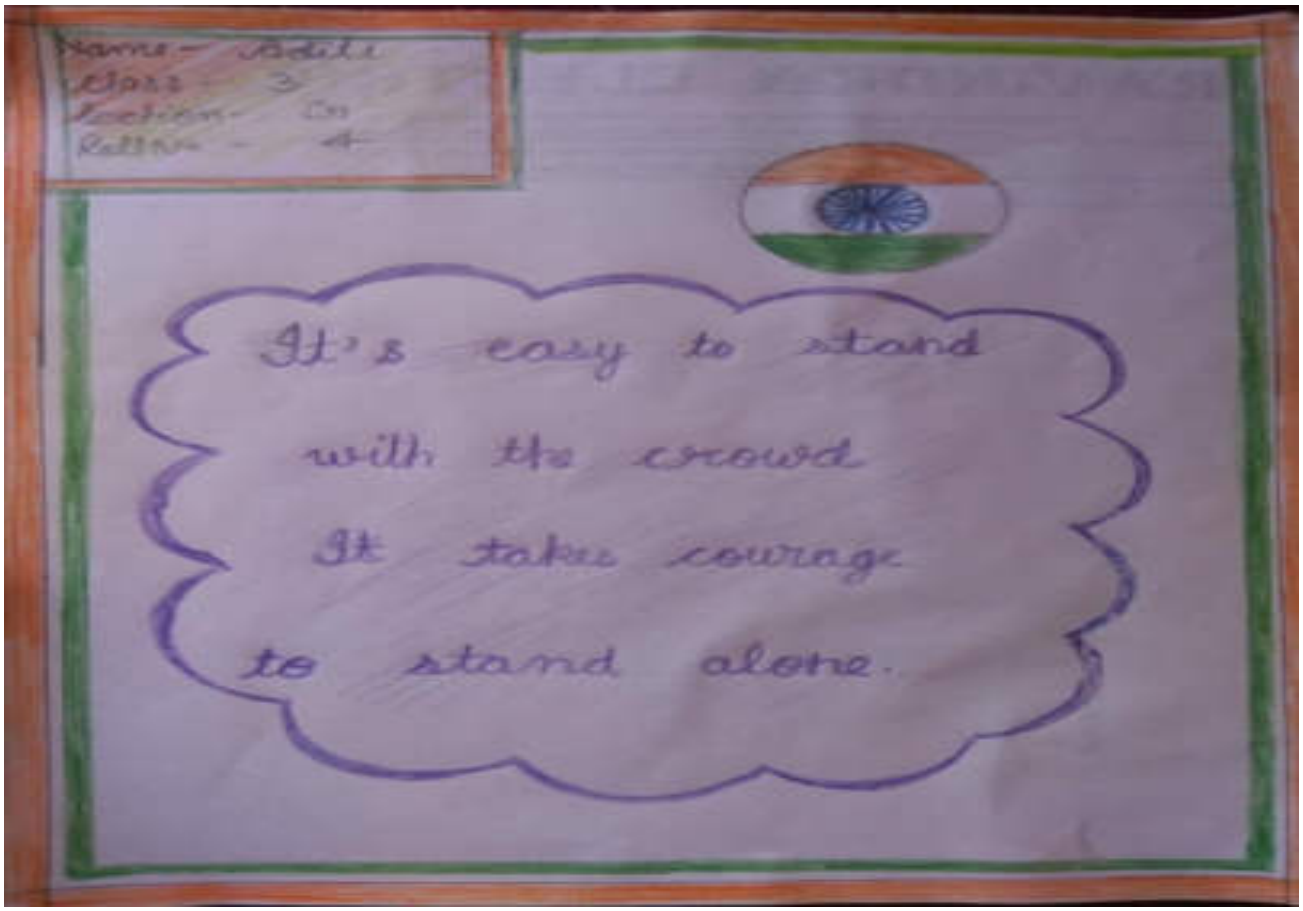

It's easy to stand
with the crowd
It takes courage
to stand alone.

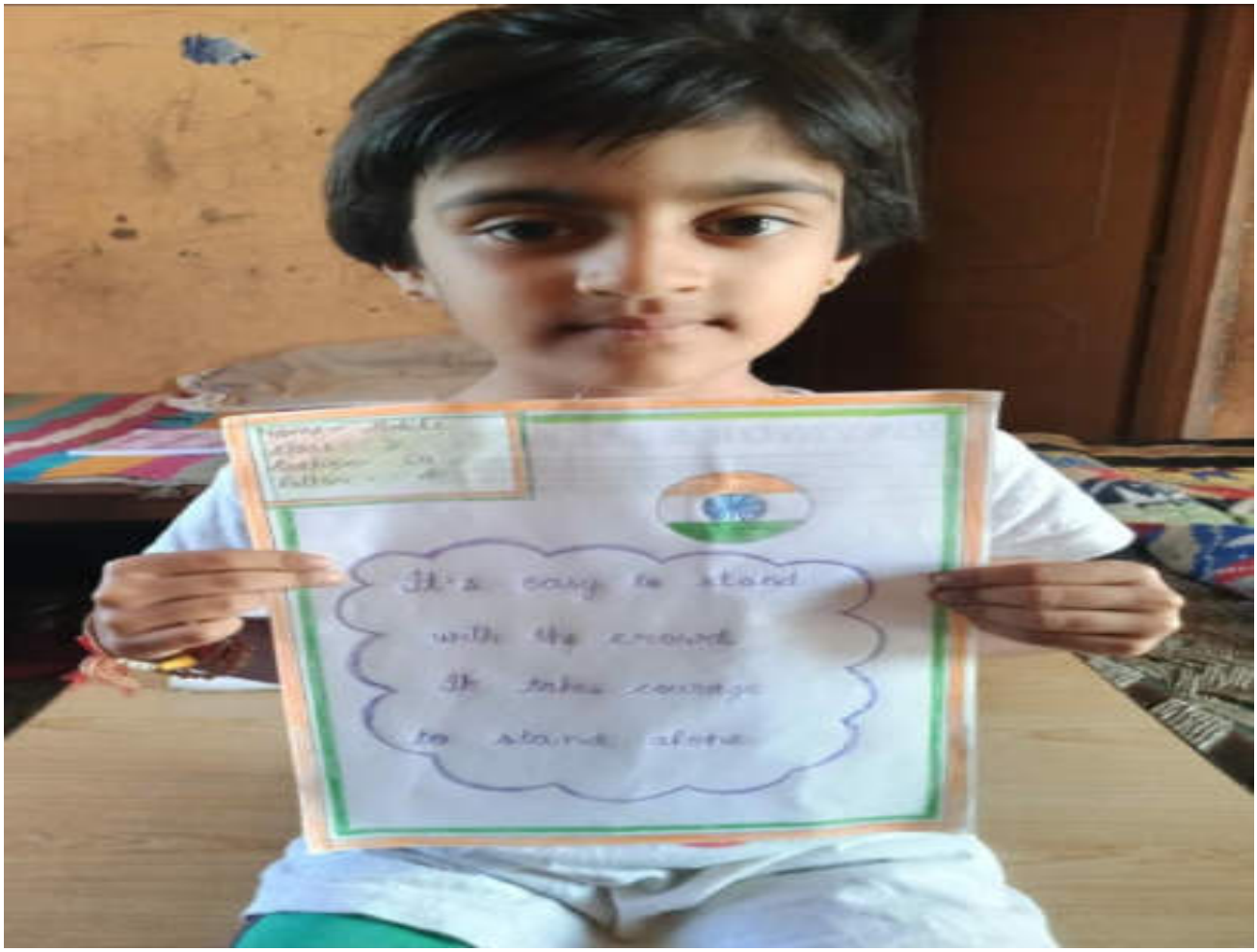

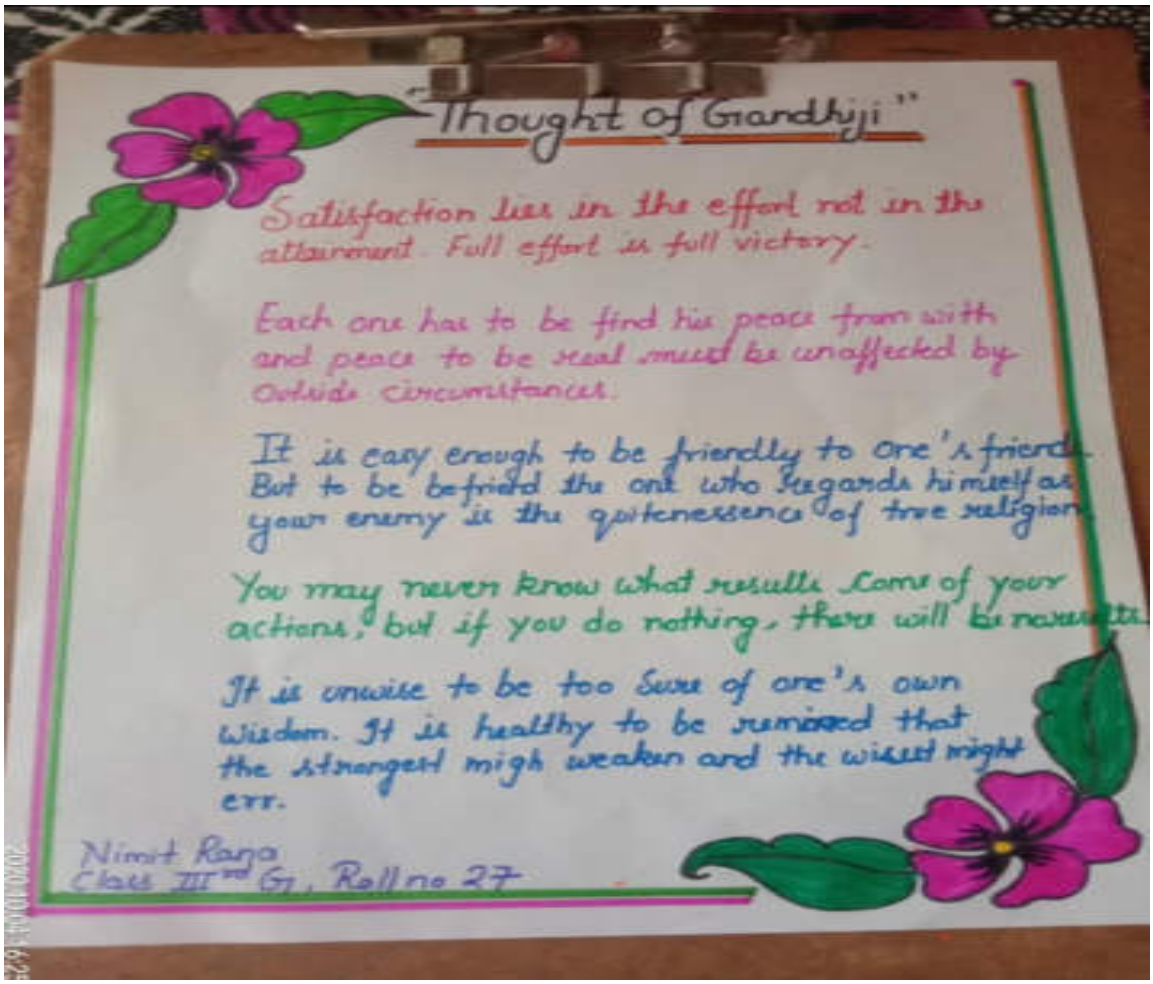

"Thought of Gandhiji"

Satisfaction lies in the effort not in the attainment. Full effort is full victory.

Each one has to be find his peace from with and peace to be real must be unaffected by Outside circumstances.

It is easy enough to be friendly to one's friend But to be befriend the one who regards himself as your enemy is the quintessence of true religion.

You may never know what results come of your actions, but if you do nothing, there will be no results.

It is unwise to be too sure of one's own wisdom. It is healthy to be reminded that the strongest migh weaken and the wisest might err.

Nimit Rana
Class III rd G, Roll no 27

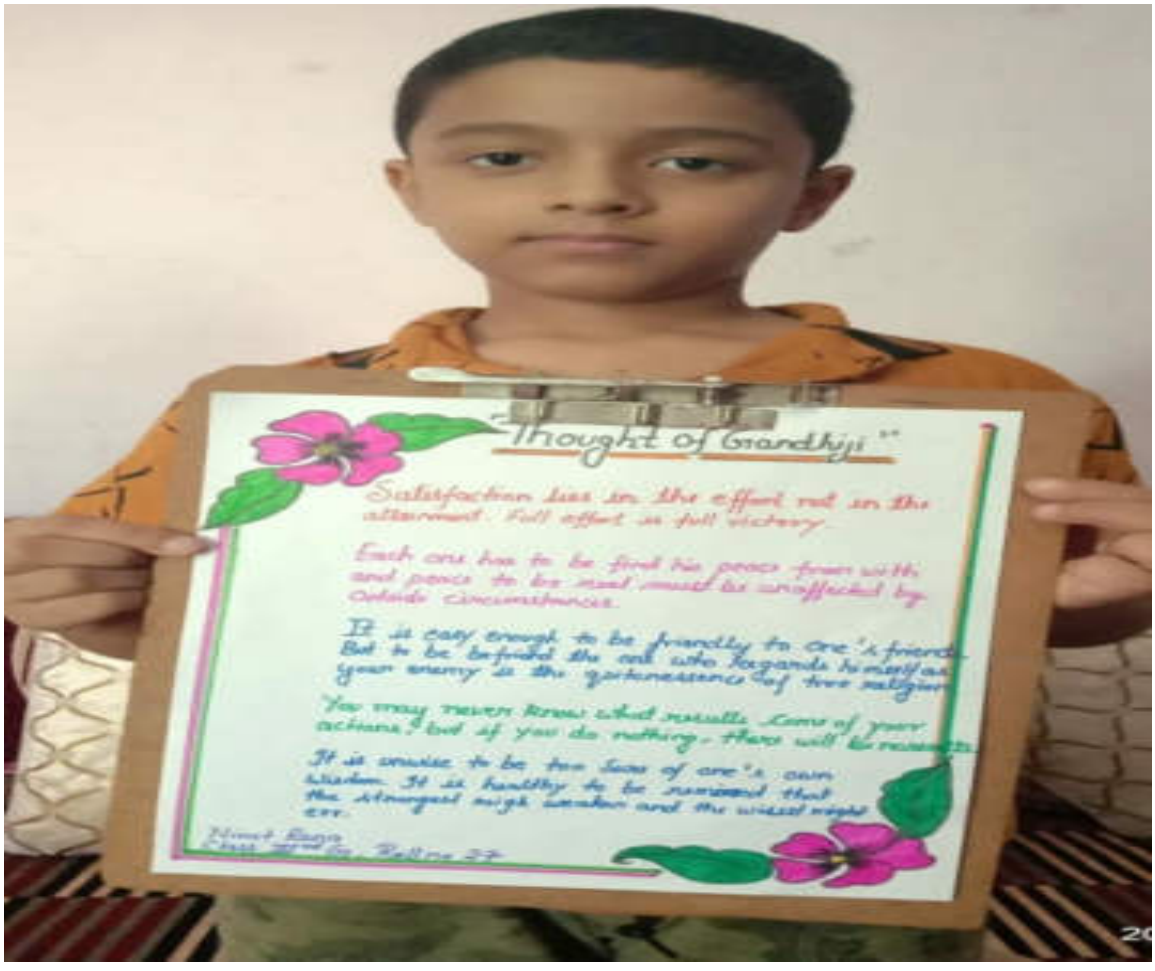

"Thought of Gandhiji"

Satisfaction lies in the effort not in the attainment. Full effort is full victory.

Each one has to be find his peace from with and peace to be real must be unaffected by Outside circumstances.

It is easy enough to be friendly to one's friend But to be befriend the one who regards himself as your enemy is the quintessence of true religion.

You may never know what results come of your actions, but if you do nothing, there will be no results.

It is unwise to be too sure of one's own wisdom. It is healthy to be reminded that the strongest migh weaken and the wisest might err.

Nimit Rana
Class III rd G, Roll no 27

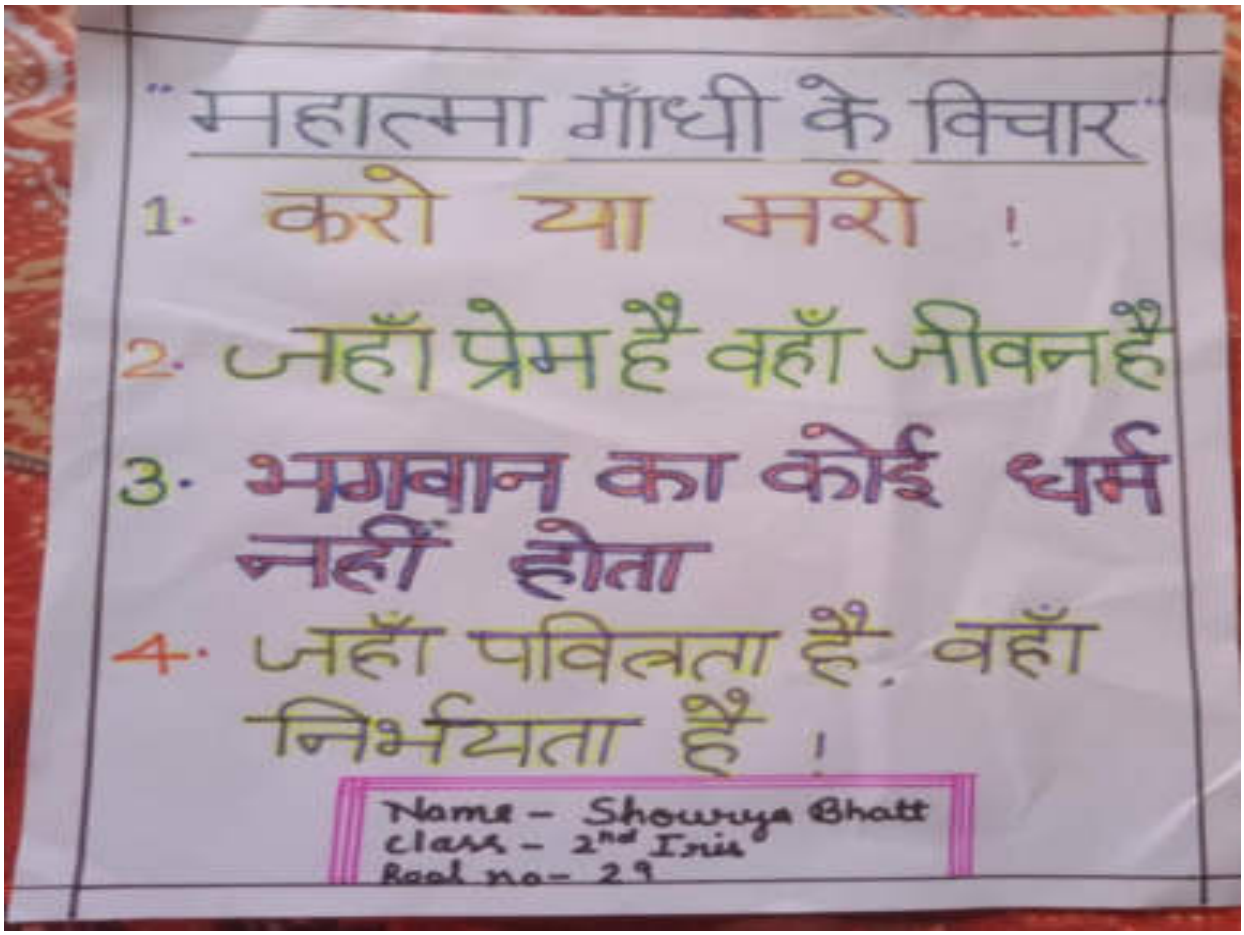
"महात्मा गाँधी के विचार"
1. करो या मरो !
2. जहाँ प्रेम है वहाँ जीवन है
3. भगवान का कोई धर्म नहीं होता
4. जहाँ पवित्रता है, वहाँ निर्भयता है !
Name - Shourya Bhatt
class - 2nd Iris
Roll no- 29

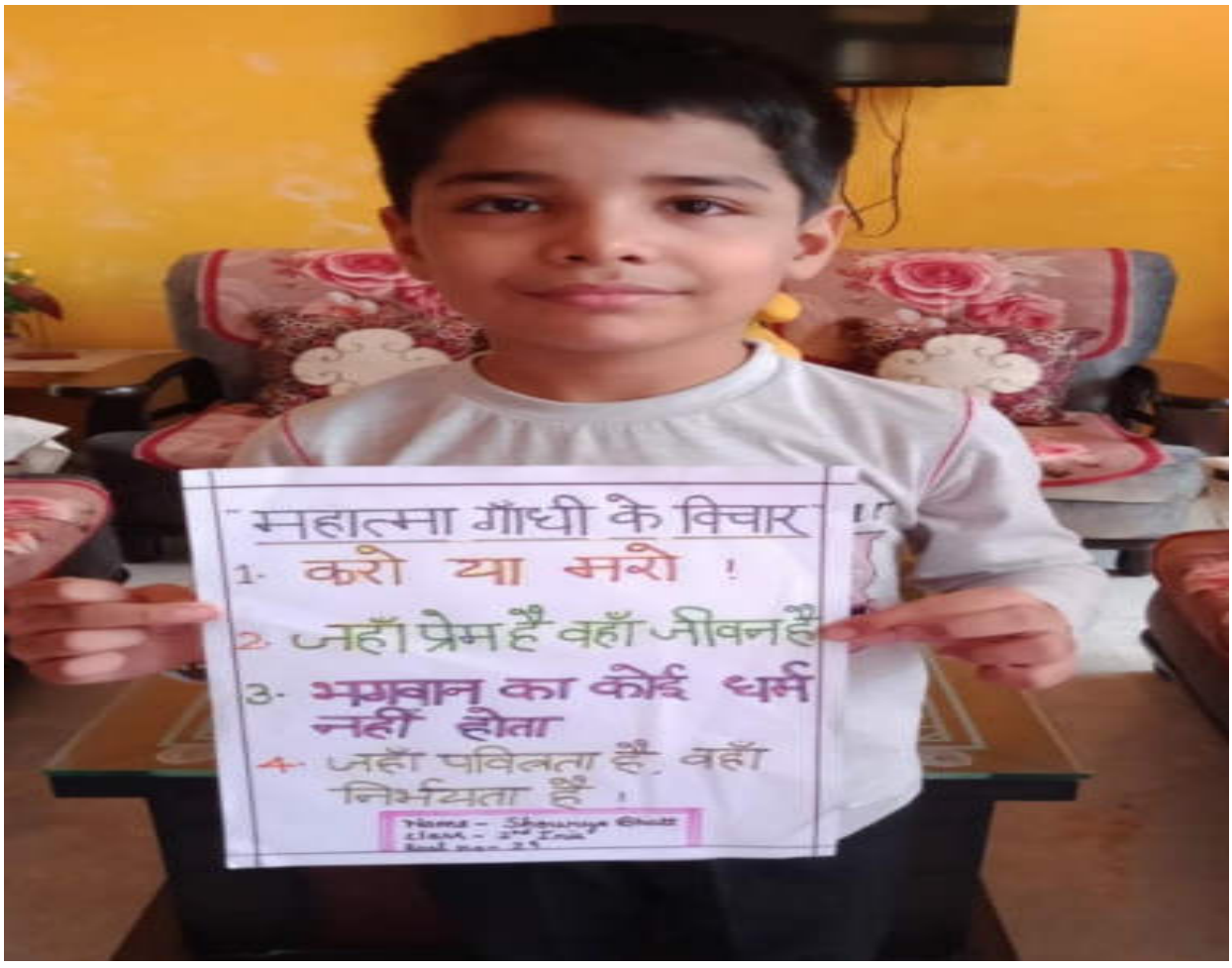
"महात्मा गाँधी के विचार"
1. करो या मरो !
2. जहाँ प्रेम है वहाँ जीवन है
3. भगवान का कोई धर्म नहीं होता
4. जहाँ पवित्रता है, वहाँ निर्भयता है !

Category- B (4 to 5) Poster Making Activity

Class - 4th B
Roll No - 31
Topic - Swachh Bharat Mission
School - D.S.B.I.P.S Rishikesh

SWACHH BHARAT MISSION
Let's Join Our hands
To make India Clean
Save Trees
Avoid Plastic
Bags
Garbage Should Be
Properly throw in Dustbin
Keep the
Surroundings Clean
NAME:- RAGHAV
CLASS:- 4th F
SCHOOL:- D.S.B

SWACHH BHARAT MISSION
Let's Join Our hands
To make India Clean
Save Trees
Keep the

SCHOOL
SWACHH BHARAT MISSION
Plant more trees
ANIKET AWASTHI 5th B D.S.B. INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL

SWACHH BHARAT MISSION

NOTE 8 PRO
QUAD CAMERA

Category C (6 to 8) *निबंध लेखन प्रतियोगिता*

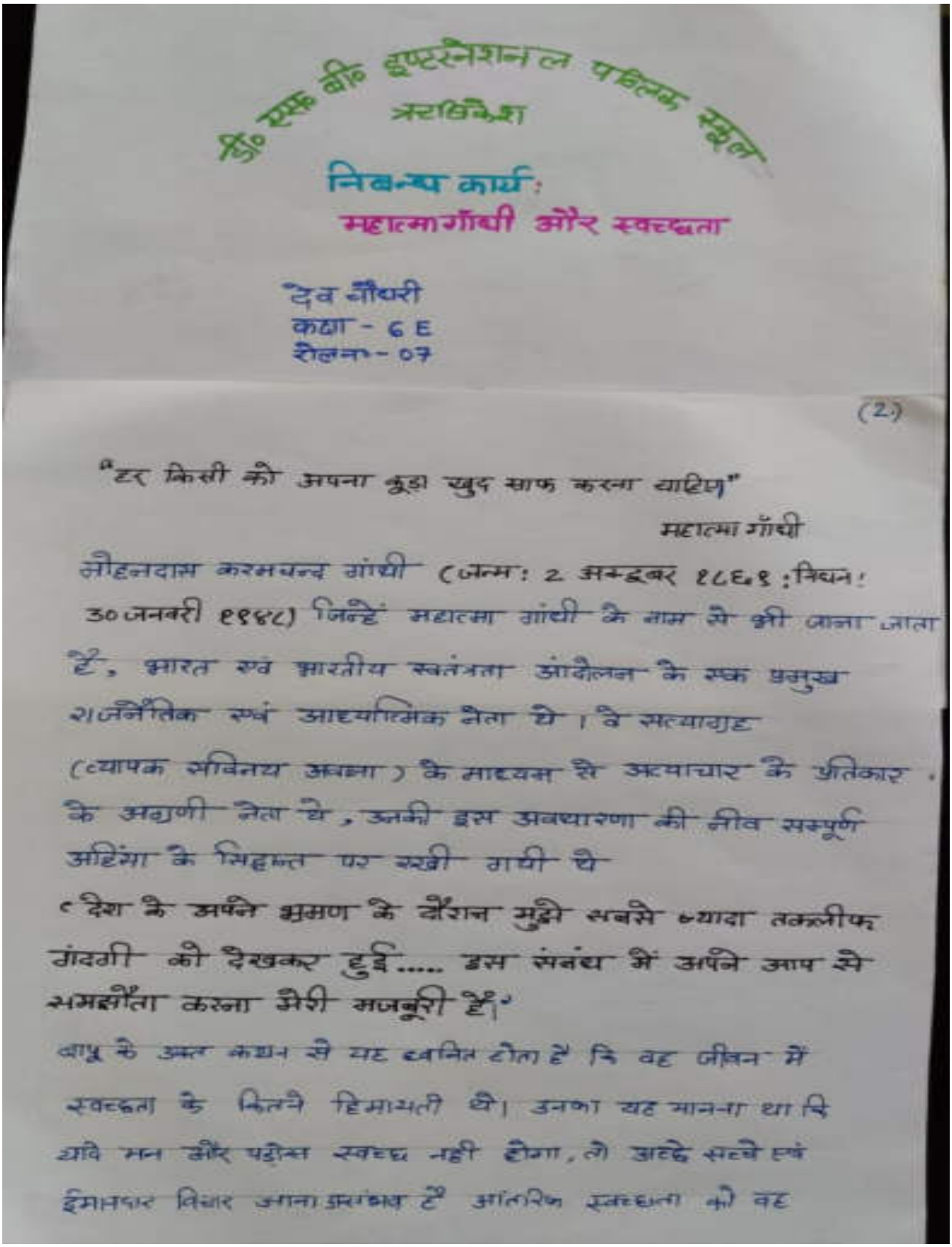

डी॰ एस॰ बी॰ इण्टरनेशनल पब्लिक स्कूल

ऋषिकेश

निबन्ध कार्य:

महात्मा गाँधी और स्वच्छता

देव चौधरी
कक्षा - 6 E
रोलनं॰ - 07

(2.)

"हर किसी को अपना कूड़ा खुद साफ करना चाहिए"

महात्मा गाँधी

मोहनदास करमचन्द गांधी (जन्म: 2 अक्टूबर १८६९ : निधन: 30 जनवरी १९४८) जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह (व्यापक सविनय अवज्ञा) के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव सम्पूर्ण अहिंसा के सिद्धान्त पर रखी गयी थी

"देश के अपने भ्रमण के दौरान मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ गंदगी को देखकर हुई..... इस संबंध में अपने आप से समझौता करना मेरी मजबूरी है।"

बापू के अन्त कथन से यह ध्वनित होता है कि वह जीवन में स्वच्छता के कितने हिमायती थे। उनका यह मानना था कि यदि मन और पड़ोस स्वच्छ नहीं होगा, तो अच्छे सच्चे एवं ईमानदार विचार आना असंभव है आंतरिक स्वच्छता को वह

बाह्य स्वच्छता के लिए आवश्यक मानते थे।

गाँधी, स्वच्छता और सफाई कर्मचारी

गाँधीजी को अस्पृश्यता से घृणा थी। बचपन से बालक मोहन के मन में अपनी मां के प्रति स्नेह सम्मान होने के बावजूद उस छोटी आयु में भी अपनी मां की उस बात का विरोध किया जब उनकी मां ने सफाई करने वाले कर्मचारी के न छूने और उससे दूर रहने के लिए कहा था। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि स्वच्छता और सफाई प्रत्येक व्यक्ति का काम है। वह हाथ से मैला ढोने को समाप्त करना चाहते थे उन्होंने सदियों से मौजूद अस्पृश्यता की बुराई और जातीय प्रथा का विरोध किया।

साबरमती आश्रम की साफ सफाई वह स्वयं करते थे। दक्षिण अफ्रीका में भी साफ सफाई का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया। वह अपनी बस्ती व आसपास के क्षेत्रों की सफाई में बढ़चढ़ कर योगदान दिया। यह बात्या उन दिनों का है, जब डरबन की एक भारतीय बस्ती में प्लेग फैला।

स्वच्छता को लेकर महात्मा गाँधी के 10 विचार.

(1.) राजनीतिक स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है।

(2.) यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नहीं है तो वह स्वस्थ नहीं रह सकता है।

(3) बेहतर साफ-सफाई से ही भारत के गांवों को आदर्श बनाया जा सकता है

(4) शौचालय की अपने ड्रॉइंग रूम की तरह साफ रखना जरूरी है।

(5) नदियों को साफ रखकर हम अपनी सभ्यता को जिंदा रख सकते हैं।

(6) अपने अंदर की स्वच्छता पहली चीज है जिसे पढ़ाया जाना चाहिए। बाकी बातें इसके बाद होनी चाहिए।

(7) हर किसी एक को अपना कूड़ा खुद साफ करना चाहिए।

(8) मैं किसी को गंदे पैर के साथ अपने मन से नहीं गुजरने दूंगा।

(9) अपनी गलती को स्वीकारना झाड़ू लगाने के समान है जो सतह को चमकदार और साफ करता है।

(10) स्वच्छता को अपने आचरण में ऐसे अपना लो कि वह आदत बन जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में महात्मा गांधी के 145 वे जन्मदिवस पर स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, 2019 में गांधी जी की 150 वी जंयती के अवसर पर भारत उन्हे सर्वश्रेष्ठ श्रद्धांजलि दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगो से अनुरोध किया कि वे साफ और स्वच्छ भारत के राष्ट्रपिता के सपने को पूरा करे।

———x———x———

महात्मा गांधी - एक युगदृष्टा

महात्मा गांधी का नाम आते ही हमारे मस्तिष्क में एक छवि का निर्माण हो जाता है वह है एक हाँथ में लाठी हृदय में सत्य अहिंसा का सम्बल लिए हुए परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ी हुई भारत माँ को अंग्रेजों के अत्याचारों से मुक्त कराने हुए एक व्यक्ति की तस्वीर उभरती है परंतु गांधी जी को किसी एक विधा से नहीं बाँधा जा सकता जहाँ उन्होंने देश को स्वतंत्र कराने के लिए राजनीतिक विचारधारा दी और संघर्ष किया वहीं उन्होंने धर्म और नीति और आर्थिक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हुए अपने सपनों के भारत का मार्ग प्रशस्त किया।

अवी गोयल

« रघुपति राघव राजाराम
पतित पावन सीताराम
सीताराम सीताराम
भज प्यारे तू सीताराम
ईश्वर अल्लाह तेरे नाम
सब को सन्मति दे भगवान
राम रहीम करीम समान
हम सब हैं उनकी सन्तान
सब मिला मांगे यह वरदान
हमारा रहे मानव का ज्ञान »

जीवन परिचय → गाँधी जी का पूरा नाम मोहन दास करम चन्द गाँधी था उनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को पोरबन्दर गुजरात में एक कुलीन घराने में हुआ था उनके पिता करम चन्द गाँधी एक दीवान थे और माता पुतली बाई बहुत सीधी साधी धार्मिक विचारों वाली महिला थीं गाँधी जी का 13 वर्ष की आयु में विवाह हुआ 19 वर्ष की आयु में 4 सितम्बर 1888 को गाँधी जी वकालत की इंग्लैंड वकालत की शिक्षा ग्रहण करने को गए। बैरिस्टरी की परीक्षा पास करने के बाद 12 जून 1891 को भारत लौट आए और भारत आने पर गाँधी जी ने वकालत करने की कोशिश की लेकिन सफल न हो सके।

1893 में महात्मा गाँधी 24 वर्ष की आयु में दक्षिण अफ्रीका गए महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से 9 जनवरी 1915 को भारत लौटे आए और बम्बई के अपोलो बन्दरगाह में उतरे वे वर्ष 1893 से 1915 तक दक्षिण अफ्रीका में रहे और इस प्रकार उन्होंने 21 वर्ष दक्षिण अफ्रीका में व्यतीत किए उन्होंने अपने दक्षिण अफ्रीका के अनुभवों को भारत में भी दोहराया। उनके जीवन को दो खण्डों में बाँटा जा सकता था भारत में 1915 से 1948 तक 33 वर्ष भारत की स्वतंत्रता संघर्ष में व्यतीत किए।

अवी गोयल
सात 'ई'

क्रांतिकारी विचारक → गाँधी जी क्रांतिकारी विचारक थे उन्होंने देश को नया विचार दिया कि सत्य ही ईश्वर है इससे पहले ये कहा जाता था कि ईश्वर ही सत्य है उनका कहना था जब तक हम ये कहते हैं ईश्वर ही सत्य है तब तक हमको कहने को कुछ नहीं रह जाता लेकिन जब हम ये कहते हैं कि सत्य ही ईश्वर है तब हम सत्य का पालन करने में पूरा जीवन लगा देने को संकल्पित होते हैं।

सत्यनिष्ठ राजनीति की अवधारणा → इतिहास ने ये सिद्ध कर दिया है कि गांधी और विश्व शांति को अलग अलग नहीं किया जा सकता है गांधी जी ने सर्वप्रथम दक्षिण अफ्रीका में नागरिक अधिकारों के लिए वहाँ रह रहे भारतीयों के लिए संघर्ष में शांति पूर्ण नागरिक अवज्ञा के अपने विचारों विचारों का पहली बार प्रयोग किया। भारत में आकर राष्ट्रीय कांग्रेस का नेतृत्व करते हुए गांधी जी ने गरीबी निवारण, महिलाओं की स्वतंत्रता, विभिन्न धर्मों एवं जातियों में भाईचारे, अस्पृश्यता एवं जातिगत भेदभाव समाप्त करने एवं राष्ट्र की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन खड़ा किया।

गाँधी जी ने देश को राजनीतिक स्वतंत्रता प्रदान करना चाहते थे ब्रिटिश साम्राज्यवादी भेद भाव पूर्ण दमनकारी नीति के विरुद्ध उन्होंने विदेशी माल का बहिष्कार किया चरखे की नीति लघु कुटीर उद्योग के विकास पर जोर दिया पहले राजनीति छल फरेब प्रपंच का अड्डा मानी जाती थी गाँधी जी पहले व्यक्ति थे जिन्होंने राजनीति को सच बोलना सिखाया।

समाज सेवक → गाँधी जी हमेशा दूसरों के लिए जिए उनके भाषणों में इस बात की शिक्षा दी जाती थी है कि हम दूसरों के लिए जीना है उनका सेवा भाव किसी राष्ट्र जाति समुदाय के लिए न होकर सम्पूर्ण मानवता के लिए था इन्हें मनुष्य जाति तक ही सीमित नहीं था गाँधी कोढ़ियों की सेवा करते थे जो उन समय अछूत समझे जाते थे समाज सेवा को गाँधी अपना रचनात्मक कार्यक्रम कहते थे इसमें अस्पृश्यता निवारण हिन्दू मुस्लिम एकता और खादी का प्रचार प्रमुख थे इसके अतिरिक्त नशाबन्दी ग्रामीण उद्योगों की सेवा ग्रामोद्योगों का विकास गाँव में सफाई स्वास्थ्य और सफाई की शिक्षा बुनियादी तालीम और शिक्षा महिला उद्धार दूसरे किसानों श्रमिकों की समस्याओं तक को भी उन्होंने रचनात्मक कार्यक्रम में शामिल कर रखा था उनकी कथनी करनी में अंतर नहीं था उनका जीवन खुली किताब था वो जो कहते थे उसको व्यवहार में भी लाते थे।

"आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिए। मानवता सागर के समान है यदि सागर की कुछ बूंदें गन्दी है तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता"

साम्प्रदायिक एकता → गांधी जी सामाजिक कार्यक्रम में अंतर साम्प्रदायिक एकता की स्थापना को सबसे अधिक उपयोगी मार्ग समझते थे वे साम्प्रदायिक एकता को राजनीतिक दृष्टि से ही आवश्यक नहीं समझते थे बल्कि वो भारत की साम्प्रदायिकता को मानव के लिए एक मिसाल बना देने के आकांक्षी थे इस आदर्श की सिद्धि के लिए उन्होंने जीवन भर कोशिश की महात्मा गांधी भारत को एक पक्षी तथा हिन्दू मुसलमानों को दो पंख बताया करते थे। जिस समय 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्रता के जश्न में डूबा था गाँधी जी साम्प्रदायिक दंगों से जलते हुए नोवाखली के गांवों में पैदल चल कर लोगों के जख्मों में मरहम लगा रहे थे गांधी जी ने जीवन का अंतिम उपवास 13 जनवरी 1848 से 18 जनवरी 1948 तक साम्प्रदायिक एकता के लिए था।

भवी गोयल
सात (ई)

डी.एस.बी. इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल

अहिंसा और सत्य के पुजारी-महात्मा गाँधी

प्रस्तावना- हमारा देश महान स्त्रियों और पुरुषों का देश है जिन्होंने देश के लिए ऐसे आदर्श कार्य किए हैं जिन्हें भारतवासी सदा याद रखेंगे। ऐसे ही महापुरुषों में से एक महात्मा गांधी। महात्मा गाँधी युग पुरुष थे जिनके प्रति पूरा विश्व आदर की भावना रखता था।

बचपन एवं शिक्षा - महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर सन 1869 को गुजरात में पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। इनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। इनके पिता का नाम करमचंद गांधी था। वह राजकोट के दीवान थे। माता पुतलीबाई धार्मिक स्वभाव वाली अत्यंत सरल महिला थी।

प्रारंभिक शिक्षा पोरबंदर में पूर्ण करने के पश्चात राजकोट से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर वह वकालत करने इंग्लैंड चले गए। वकालत करके लौटने पर वकालत प्रारंभ की। एक मुकदमे के सिलसिले में उनको दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहाँ भारतीयों की दुर्दशा देख वह बड़े दुखी हुए।

उनमें राष्ट्रीय भावना जागी और वे भारतमाता की सेवा में जुट गए। अंग्रेजों की कुटिल नीति तथा अमानवीय व्यवहार के विरुद्ध गांधीजी ने सत्याग्रह आंदोलन आरंभ किए।

गांधी ने अछूतों का उद्धार किया। उन्हें 'हरिजन' नाम दिया। भाषा, जाति और धर्म संबंधी भेदों को समाप्त करने का आजीवन प्रयत्न किया। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर दिया। सूत कातने, सब धर्मों के आदर से रहने और सत्य, अहिंसा को जीवन में अपनाने की शिक्षा दी।

KRITIKA NEGI
6th E

D.S.B. INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL

Tagati Bhandari
class VI E

महात्मा गाँधी और स्वच्छता

"स्वतन्त्रता से ज्यादा महत्वपूर्ण है स्वच्छता" है कि महात्मा गाँधी जी के उक्त कथन से ये विदित होता है कि मानव जीवन में स्वच्छता कितनी जरूरी है। बापू जी सिर्फ बाहरी स्वच्छता यानी घर, आस-पड़ोस आदि के ही पक्षधर नहीं थे बल्कि मन की स्वच्छता के भी प्रबल पक्षधर थे। बापू जी का मानना था कि यदि मन और पड़ोस स्वच्छ नहीं होगा तो उसमें सच्चे एवं ईमानदार विचार आना असम्भव है। आंतरिक स्वच्छता को वह बाह्य स्वच्छता के लिए आवश्यक मानते थे।

"वह जो सचमुच में भीतर से स्वच्छ है वह अस्वच्छ बन कर नहीं रह सकता।" एक सुंदर पवित्र समरस और बुराइयों से मुक्त समाज के निर्माण के लिए बापू के स्वच्छता दर्शन से श्रेष्ठ कोई अन्य दर्शन नहीं हो सकता।

आंतरिक स्वच्छता की महत्ता को बापू ने 10 दिसम्बर 1925 के यंग इंडिया के अंक में कुछ इस प्रकार रेखांकित किया था, "आंतरिक स्वच्छता पहली वस्तु है, जिससे पढ़ाया जाना चाहिए, अन्य बाते प्रथम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण पाठ संपन्न होने के बाद लागू की जानी चाहिए"।

"एक पवित्र आत्मा के लिए एक स्वच्छ शरीर में रहना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि किसी स्थान, शहर, राज्य और देश के लिए स्वच्छ रहना जरूरी होता है, इसमें रहने वाले लोग ईमानदार हो"।

महात्मा गाँधी ने सदैव समग्र स्वच्छता की पैरोकारी की और संपूर्ण स्वच्छता के लिए इसे आवश्यक बताया। यही कारण है कि उन्होंने सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता पर बल नहीं दिया अपितु समग्र रूप से सामाजिक स्वच्छता पर विशेष बल दिया। बापू जी ने स्वच्छता का सबक सिर्फ जनसाधारण को ही नहीं दिया, अपितु निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र के निकायों में भी स्वच्छता बढ़ाने पर बल दिया। उनका मानना था कि प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है कि वह अपनी प्रचालन स्थल के पर्यावरण को गंदा

प्रदूषित न करे।

सरकारे और नगर परिषदे कुछ सीमा तक प्रयास कर सकती हैं। उनकी अपनी सीमाए होती हैं, लेकिन यदि हर व्यक्ति इसे अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य समझे, तो न केवल भारत को एक स्वच्छ राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करना संभव होगा, बल्कि आध्यात्मिक रूप से भारतीय स्वच्छ सभ्यता और एक स्वच्छ व्यक्ति होने का उदाहरण बनकर गर्व महसूस कर सकेंगे।

बापू जी ने हमें सिर्फ स्वच्छता की कोरी सिख ही नही दी; बल्कि इसे स्वयं अपने निजी जीवन मे उतार कर प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। साबरमती आश्रम की साफ-सफाई एवं पेड़-पौधों की देखभाल वह स्वयं ही करते थे सिर्फ भारत ही नही, बल्कि दक्षिण अफ्रीका मे भी उन्होने साफ-सफाई का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया।

यह वाकिया उन दिनो का है जब डरबन की एक भारतीय बस्ती मे प्लेग फैला। इस विषम स्थिति मे बापू ने न सिर्फ बीमारो की सेवा का बीड़ा उठाया बल्कि प्लेग के प्रसार को रोकने के लिए वहां जमकर सफाई अभियान चलाया। इसे करते हुए उन्होंने इस बात की भी परवाह नही की कि वह स्वयं भी प्लेग की चपेट मे आ सकते हैं।

आज भारत मे बहने वाली नदियों की दयनीय दशा किसी से छिपी नही हैं। पवित्र कहलाने वाली नदियाँ प्रदूषण का दंश झेल रही हैं। नदियों को प्रदूषित करने मे हमारा ही योगदान हैं। बापू ने बहुत पहले ही इस बारे मे आगाह करते हुए कहा था कि नदियाँ हमारे देश की नाड़िया की तरह है और हमारी सभ्यता हमारी नदियों की स्थिति पर निर्भर हैं। यदि हम उन्हे गन्दा करना जारी रखेगे, जिस तरह से हम कर रहे हैं, वह दिन दूर नही, जब हमारी नदियां जहरीली हो जाएगी और ऐसा हुआ तो हमारी सभ्यता नष्ट हो जाएगी। हम पर्यावरण आपदा के मुहाने पर खड़े हैं, क्योंकि हमने अपनी सबसे पवित्र नदी को प्रदूषित कर डाला है।

अहिंसा और सत्य के पुजारी महात्मा गाँधी

हमारा देश महान स्त्रियों और पुरुषों का देश है। उन सब में से एक महात्मा गाँधी है। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात में पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। उनका पूरा नाम मोहनदासकर्मचंद गाँधी था। उनकी माँ का नाम पुतलीबाई और पिता का नाम कर्मचंद था। उनकी माँ धार्मिक स्वभाव वाली सरल महिला थी। उनके पिता राजकोट के दिवान थे। गाँधीजी ने अंग्रेजों से विरोध को प्रकट करने के लिए सत्याग्रह को अपना प्रमुख अस्त्र बनाया। सत्य, अहिंसारूपी अस्त्रों के सामने अंग्रेजों की कुटिल नीति तथा अमानवीय व्यवहार के विरुद्ध गाँधीजी ने सत्याग्रह आंदोलन आरंभ किया। असहयोग आंदोलन एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया।

Sneha
Rawat
7th E

गाँधीजी के उच्चादर्शों एवं सत्य के सम्मुख उन्हें झुकना पड़ा और वे हमारा देश छोड़ चले गए। इस प्रकार हमारा देश 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ।

क्रोध और असहिष्णुता सही समझ के दुश्मन है

मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित हैं सत्य मेरा भगवान् है और अहिंसा उसे पाने का साधन हैं

- महात्मा गाँधी

गाँधीजी ने प्रेम एव भाईचारे की भावना से भारतीयों की हिम्मत बढ़ाई। और हृदय पर राज किया। वे देश मे रामराज्य स्थापित करना चाहते थे।

भारत की आज़ादी के पश्चात देश दो टुकड़ो मे विभाजित हुआ - भारत-पाकिस्तान इस बात से उन्हें बहुत दु:ख पहुँचा।

Sneha Rawat 7th E

Category – D (9 to11) Essay Writing Competition

Atmanirabhar Bharat,

Swatantra Bharat..

Is India really Atmanirabhar?

For finding the solution of this question, first of all ,we should know the proper meaning of Atmanirabhar , it means 'self sufficient' or 'self -reliant", one who can fulfill all the essential requirements for himself without relying on any other individual.

The idea of Atmanirabhar was first introduced by Gandhi ji (The Father of Nation) in India, during swadeshi movement Gandhi ji promote the Indian or Indigenous handloom and Khadi product , even he boycotted foreign goods and use only Indian made products. Now Atmanirabhar Bharat is the vision of our Prime Minister Shri Narendra Modi, of making the India self -reliant and independent.

Some of the positive impacts of Atmanirabhar bharat are:

- Increase in Employment rates
- During corona virus the economy is hardly hit , Atmanirabhar Bharat Abhiyan will help in increasing the economy of the country.
- India will be self -reliant and do not rely on any other country.

Atmanirabhar Bharat through Ek Bharat Shreshta Bharat:

The initiative 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' was announced by Hon'ble Prime Minister on 31st October, 2015 on the occasion of the 140th birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel. Through this innovative measure, the knowledge of the culture, traditions and practices of different states & UTs will lead to an enhanced understanding and bonding between the states, thereby strengthening the unity and integrity of India.

i. **To CELEBRATE** the Unity in Diversity of our Nation and to maintain and strengthen the fabric of traditionally existing emotional bonds between the people of our Country

ii. **To PROMOTE** the spirit of national integration through a deep and structured engagement between all Indian States and Union Territories through a year-long planned engagement between States

iii. **To SHOWCASE** the rich heritage and culture, customs and traditions of either State for enabling people to understand and appreciate the diversity that is India, thus fostering a sense of common identity

iv. **TO ESTABLISH** long-term engagements and,

v. **TO CREATE** an environment which promotes learning between States by sharing best practices and experiences.

Digital India for Atmanirabhar Bharat:

The Digital India programme is a flagship programme of the Government of India with a vision to transform India into a digitally empowered society and knowledge economy.

In order to transform the entire ecosystem of public services through the use of information technology, the Government of India has launched the Digital India programme with the vision to transform India into a digitally empowered society and knowledge economy.

How can school children contribute to national development?

Children are the future of our nation. They can contribute for national development by promoting the products which are 'MADE IN INDIA'. They can also use their skills like building an app in Digital India Programme and by boycotting the foreign goods and only wear clothes made in India by this children can also give their contribution in the National Economy.

Overcoming Gender, Caste and Ethnic biases for Atmanirabhar Bharat:

Gender inequality in India refers to health, education, economic and political inequalities between men and women in India. Various international gender inequality indices rank India differently on each of these factors, as well as on a composite basis, and these indices are controversial.

Research shows gender discrimination mostly in favor of men in many realms including the workplace. Discrimination affects many aspects in the lives of women from career development and progress to mental health disorders. While Indian laws on rape, dowry and adultery have women's safety at heart, these highly discriminatory practices are still taking place at an alarming rate, affecting the lives of many today.

MAKING NEW INDIA THROUGH BIO -DIVERSITY AND AGRICULTURAL PROSPERITY:

Agriculture has major share in **India**'s GDP. **Agriculture** accounts 17.32% of **India**'s total GDP at present. **Agriculture**, now provides livelihood to 65 to 70 percent of the total population. This highlights **agriculture** is the key to **India**'s **prosperity** India has variety of climates and ecological factor to support the growth of various crops.

Agriculture can help reduce poverty, raise national incomes and improve food security for 60% of India's poor population, who live in rural areas and work mainly in farming. The agriculture sector in India is expected to generate better momentum in the next few years due to increased investments in agricultural infrastructure such as irrigation facilities, warehousing and cold storage. And apart from so many barriers agriculture is the key to boost Indian Economy and this is the main source of livelihood of our nation.

CONSERVE BLUE TO GO GREEN FOR ATMANIRABHAR BHARAT:

It means we should protect our environment by conserving water and side by side growing more and more trees. We can save this BLUE BALLON only by going green.

We can go green by:

- BY saying no to plastic carry bags instead of using jute bags
- By planting more trees like planting in the middle of the road and planting trees in the waste lands
- By using less furniture in the home

India is the world's **largest producer** of milk, pulses and jute, and ranks as the second **largest producer** of rice, wheat, sugarcane, groundnut, vegetables, fruit and cotton. It is also one of the **leading producers** of spices, fish, poultry, livestock and plantation crops. Besides, **India** ranks 3rd in **production** of coal & lignite, 2nd in barites, 4th in iron ore, 5th in bauxite and crude steel, 7th in manganese ore and 8th in aluminium. ' **India** accounts for 12% of the world's known and economically available thorium.

India is the leading diamond **exporter** in the world with an 18.8% **market** share of an annual **export market** worth $127 billion. The country has a net **export** surplus of $5.1 billion, which has risen by 243% in the last five years. India is the fourth largest exporter with 5.3% share of a global export market that is worth $504 billion annually.

Even during COVID 19, India has export anti -malarian drug – HYDROCHORONIQUE to 55 countries including the gratest power -America.

This all clearly concludes that India is not only the major PRODUCER but also one of the leading EXPORTER globally.

So, we can conclude India is Atmanirabhar.....

Nishchay Bareja
XI - A

Gandhi – "A man of simple living and high thinking"

Mahatma Gandhi, byname of Mohandas Karamchand Gandhi, (born October 2, 1869, Porbandar, India—died January 30, 1948, Delhi)Indian lawyer, politician, social activist, and writer who became the leader of the nationalist movement against the British rule of India.

Mahatma Gandhi is now universally recognised as the glorious symbol of truth and non-violence. Gandhiji was not only a great national leader who liberated India from foreign domination through a peaceful and bloodless struggle, but also a profound thinker who placed before the world certain eternal principles for the guidance of human relationship and international behaviour. He laid the greatest stress on the purity of the means for the achievement of noble ends. "The means may be likened to a seed, the end to a tree; and there is just the same inviolable connection between the means and the end as there is between the seed and the tree."

He always upheld the sublime aim of "simple living and high thinking". While he strained every nerve to provide gainful employment to the hungry millions of India through various constructive activities, he underscored the imperative need for raising the 'standard of life' of the people, including the ethical and moral aspects. To him mere affluence and accumulation of material wealth was 'a primrose path' leading to social, economic and cultural disintegration.

In the eyes of millions of his fellow Indians, Gandhi was the Mahatma ("Great Soul"). He's also considered as the "Father of the Nation".

Gandhi believed in true living and his experiments with truth were countless. He always believed that being true to life can make your life easier. You may face quite a lot of hardships initially for being truthful but at the end you will emerge as a true winner .Being such a great leader his way of living, teaching, books and even his quotes were very simple. His simplicity reflects in his ideas and way of living. Simplicity is probably his greatest virtue. Gandhi being a great learner always believed in the art of continuous learning . His capability as a learner gave him the real authority over people . His lessons were highly popular as they motivated the common people.

Inspite of being a powerful speaker and prolific writer, Gandhi spoke very slowly in personal life and when it was required. His writings were very concise yet punchy. He preferred to let his life do the talking for him .He always wanted his way of leading life spread the message. It was his simple living that helped him in committing his life for the well being of the people and his country.

Name – Niharika Bisht

Class- 11 'A'

Gandhi –"A man of simple living and high thinking"

"IN A GENTLE WAY YOU CAN SHAKE THE WORLD"

The sense of joy, fulfillment and satisfaction you get when you help someone in need is far more than the joy you get when you buy something expensive for you. Our father of nation, Mahatma Gandhi has done countless great works in the history .He sacrificed his life for the sake of the country. He has influenced many international leaders around the world with his simplicity and high thinking. Also, Lanza Del Vasto came to India to live with Gandhi . His simplicity was always reflected in his way of living life.

Gandhi is definition of simple living. Moreover, he was not born in a simple living lifestyle. He entered an arranged marriage at the age of 13 with Kasturba Gandhi .At the age of 18, he went to London to study law, he was dressed in western but he struggled to transition to the culture. "Seek the truth and it will set you free" was his principle, today everyone in the world try to follow his philosophy. His way of dressing showed us his unwillingness to use the foreign products, and he always told people to do the work by their own without depending on others. He was an ordinary man with an extraordinary will to live his life according to the principles of truth and non-violence. The reason why every Indian love him is he never claimed himself to be a god or a super human. He never intended to lead but he chose to follow, follow the truth and what brought happiness to his people. He became a leader because he was so much determined towards his goal. He never hesitated to follow the right path. His humility and depth of understanding in the simplest of actions has made him the 'Mahatma' (the great soul).

He was a human like us with his deepest desires of liberating the country, he did not believe in wars and conflicts as solutions but was a peace loving human being and detested any kind of violence. He led a simple life and his simplicity and love towards others made him closer to the common man and this made him the father of nation. He never asked anyone to do anything but showed everyone how to do it, he is a true role model for everyone and is the reason for patriotism in every single Indian. He is such an inspiring person, he proved that to chase your dreams you just need to follow your heart and if you are right no one can stop you.

"His heart was full of love

Towards all human beings

Himself, he was truth incarnate

And gentle like a dove."

NAME-ASHLEE AGARWAL

CLASS-XI -A

Gandhi – "A man of simple living and high thinking"

Mohandas Karamchand Gandhi, fondly called Mahatma Gandhi and Bapuji was born in 2 October, 1869 in Porbandar, Gujrat. He was an Indian lawer, political ethicist and anti-colonial nationalist who lead the successful campaign for India's independence from British regune. Not only in India but the inspired many citie, Phylosper and Socialist all over the world. Mahatma Gandhi as he is fondly called was first applied to him in 1914 in South Africa which means great souled and venerable, is now used throughout the world. His contributions to the formation of independent and modern India also gave him the title '**Father of the Nation**'.

He lived a simple and ascetic life. He used to wear simple 'Dhoti and Shawl'. He decided to live his life like this because he idealized that he has to work for his and poor people of India and how can he identify with them if he wear different clothes form them. He stuck to this dress code even to his abroad trips and until his very last moment. He never felt inferior and was proud of his deeds. He always remained inspired and encouraged the people for the best. He was an ideal to many but it never changed him as a person, as he never acquired prentiousness.

He spent his life without any luxuries but still remained inspired with full endurance and never hindered to inspire others with his way of living. He sought to win independence in South Africa with his idea of mass agitation and Satayagraha. His simplicity was reflected with his every idealogy. According to him " If one has wealth, it does not mean that it should be thrown away and wife and children should be turned of the door. It simply means that one must give up attachment of these things".

The less the affluent life he lived, the more advanced and ingenious thinking he had. Gandhiji always emphasised on the idea of ultimate goals through non-violence and truth. He lived in different countries and places but it never affected and deformed his coherence, humanity and selfishness. Gandhiji influenced many important and eminent leaders of that time of political movements. Leaders in United States including Martin luther King , James Lawson, and many more drew from writings of Gandhiji and his ideology in the development of their own theories about non violence. Gandhiji life's teaching inspired many who specially refered to Gandhiji as their mentor. Even gandhiji was a necessary referrance to discuss morality in politics. He emphasised on the idea of love of nation importance of unity and fraternity to conquer independence peacefully without violence.

During 1921, he wrote a book Hind Swaraj and spread to not corporate with Britishers and boycotting their goods. He admitted this idea by observing the tyranny of Englishs over poor Indians. Thus, form surroundings only and living poors he took out a way of non-corporation movement across the India. His integrity and higher order thinking skills not only emerged politically and socially but economically too. When Britishers were misemploying natural resources of India for their own avidity, he said "There is enough for everybody's need and not for anybody's greed." His small to small quote was punchy and influence enough to make a change.

So, Mahatma Gandhi is the revered figure of India history who transformed India from nothing to everything and returned its identity as a collective nation. Who would have thought that a man wearing a normal, (thin and bony person) Dhoti, shawl and specs But he did! And he has been a great part of over lives and follow his ideologies which has fascinated the whole world in the past centuries and even today.

"There is goodness as well as greatness in simplicity, not in wealth."

Rashi Arora
Class- X-D

Gandhi- "A man of simple living and high thinking"

Mahatma Gandhi, a man of true words, a great leader, a true fighter who set an example of simple living and high thinking for us. Non-violence, truth, inspiration and great leadership qualities are what come to our mind when we hear his name.

His determinations were strong and ideas firm enough to reach his ultimate goal. He left his successful career of a lawyer to participate in the long chase for Independence along with other freedom fighters. I can find nearly every attributes of a successful leader in this great man.

His lessons have always inspired me and I truly believe that there are a lot of things you can learn from the values of Gandhiam.

Innovation

Non-violence probably was one of the greatest innovations of Mahatma Gandhi. I don't think history has any track records of any freedom fighter or any country winning the battle of independence using the weapon of non-violence. But Gandhi was the only leader to make use of non-violence successfully to win a battle. His Dandi March was a successful effort where he used his weapon of non-violence.

Simplicity

I do not think history can ever produce a simple man like Mahatma Gandhi. Being such a great leader his way of living, teaching, books and even his quotes were very simple. His simplicity reflects in his ideas and way of living. Simplicity is probably his greatest virtue.

Truth

Gandhi believed in true living and his experiments with truth were countless. He always believed that being true to life can make your life easier. You may face quite a lot of hardships initially for being truthful but at the end you will emerge as a true winner.

Continuous learning

Gandhi being a great learner always believed in the art of continuous learning. His capability as a learner gave him the real authority over people. His lessons were highly popular as they motivated the common people.

Sacrifice

This is the quality that I truly admire about this man. Not only did he sacrifice a lot in order to achieve freedom but also sacrificed quite a lot after India had gained independence. He had even denied the position of higher authorities in Government for which he was the prime choice.

His way of leading life was a message

Inspite of being a powerful speaker and prolific writer, Gandhi spoke very slowly in personal life and when it was required. His writings were very concise yet punchy. He always wanted

his way of leading life spread the message. It was his simple living that helped him in committing his life for the well-being of the people and his country.

Energetic

Gandhi was one leader who was known for his fasts. But this did not lower his confidence at all. He was an energetic leader and always encouraged his people to fight for the country.

I still remember it was in my 5th standard when I was first introduced to this great leader in my history class. The chapter was 'Mahatma Gandhi- Father of Nation' (I was raised in India). Since then whatever he said and wrote has inspired me throughout. What I admire in this man is his great display of strength.

He never used force to bend someone against their will and rather achieved the goals through his weapon of non-violence.

AYUSHMAAN UNIYAL

X D